भौतिक शास्त्र एवं कृषि मौसम विज्ञान विभाग
जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
कृषि मौसम सलाह सेवाएँ
(Project Sponsored by IMD, MoES, New Delhi)

सलाहकार समिति के सदस्यः डॉ. डी. पी. शर्मा, डी. ई. एस., सस्य विज्ञान डॉ. अनय रावत, फल विज्ञान –डॉ. रीना नायर, सब्जी विज्ञान – डॉ. प्रियंका दुबे, कीट विज्ञान – डॉ. एस. बी. दास, पौध रोग विज्ञान –डॉ. आशीष गुप्ता, कृषि मौसम विज्ञान – डॉ. मनीष भान, पशु विज्ञान – डॉ. अनिल सिंदे

वर्ष–2021	अंक–88	दिनांक 25 से 29 दिसम्बर 2021	दिनांकः 24.12..2021

(जिला जबलपुर के लिए जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर एवं मौसम केन्द्र भोपाल द्वारा संयुक्त रूप से जारी)

आगामी पॉच दिनो का मौसम पूर्वानुमानः–

भारत सरकार के भारत मौसम विज्ञान विभाग भोपाल से प्राप्त जानकारी के अनुसार, जबलपुर तथा इसके आस–पास के क्षेत्रों में आगामी 5 दिनों में आसमान में वादल रहने एवं वर्षा होने की संभावना है। हवा 5.3 से 10.7 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से विभिन्न दिशाओं से चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 27.0 से 28.0 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 9.0–10.0 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का पूर्वानुमान है।

मौसमी तत्व /दिनाँक	25/12/2021	26/12/2021	27/12/2021	28/12/2021	29/12/2021
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	24
अधिकतम तापमान (डि.से.)	27	28	27	27	27
न्यूनतम तापमान (डि़.से.)	10	9	9	10	10
आपेक्षित आद्रता (सुबह)	59	55	57	63	80
आपेक्षित आद्रता (षाम)	26	25	28	29	33
हवा की गति (कि.मी./घण्टा)	5.3	7.9	7.6	9.7	10.7
हवा की दिशा	दक्षिण–पश्चिम	पूर्व	पूर्व	पूर्व	दक्षिण–पूर्व
बादलों की स्थिति	साफ	साफ	हल्के	घने	घने

मौसम आधारित साप्ताहिक कृषि परामर्श दिनांक 25 से 29 दिसम्बर 2021

सामान्य सलाह	आने वाले पॉच दिनों में जबलपुर जिलें में आसमान में हल्के से घने बादल रहने की सम्भावना है साथ ही इस अंतिम दिनों में वर्षा होने की सम्भावना है।वर्षा की सम्भावना को देखेते हुये सभी खडी फसलों में सिचाई तथा किसी भी प्रकार का छिडकाव ना करें।
मटर (बनस्पतिक अवस्था)	• खेतों में कीट के लिए निगरानी करें। • मटर की फसल पर 2 प्रतिशत यूरिया का घोल का छिड़काव करें । जिससे मटर की फल्लियों की संख्या में बढ़ोत्तरी होती है।
सरसों	• मौसम को ध्यान में रखते हुए किसानों को सलाह है कि सरसों की फसल में चेपा कीट की निरंतर निगरानी करते रहें ।
गेहूँ	• देर से बोए गये गेहूँ की फसल यदि 21 से 25 दिन की हो गयी हो तो पहली सिंचाई आवश्यकतानुसार करें। बाद में नत्रजन की शेष मात्रा का छिड़काव करें। • अंकुरण के 20 से 25 दिन में खपतवारनशी सल्फोसल्फयूरान 25 ग्रा. एवं मेटसल्फयूरान 10 ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें अथवा क्लोडिनोफास प्रोपारगिल 60 ग्रा. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें।
चना	• चने की फसल में फली छेदक कीट के निगरानी हेतु फीरोमोन प्रपंश / 3–4 प्रपंश प्रति एकड़ उन खेतों में लगाएं जहां पौधों में 10–15: फूल खिल गये हों। "ज" अक्षर आकार के पक्षी बसेरा खेत के विभिन्न जगहों पर लगाए।
सब्जियां	• वर्तमान मौसम प्याज की बुवाई के लिए अनुकूल है । बीज दर 10 कि. ग्रा. प्रति हैक्टर । बुवाई से पहले बीजों को केप्टान @ 5 ग्राम प्रति कि. ग्रा. बीज की दर से उपचार अवश्य करें। • प्याज की फसल में रोग एवं कीट के आक्रमण की निगरानी करें। • टमाटर में झुलसा रोग आने की संभावना है अतः फसल की नियमित रूप से निगरानी करें । लक्षण दिखाई देने पर कार्बंडिजम 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। बढ़ती हुई ठंड को देखते हुए शीत लहर का प्रकोप बढ़ रहा है पाले से बचाव के लिए मेड़ पर धुआं करें या खेत मे नमी बनाये रखें। • जिन किसानों की टमाटर, फूलगोभी, बन्दगोभी या अन्य मौसमी सब्जियों की पौधशाला तैयार है, उनके पौधों की तैयारी कर सकते हैं। • इस मौसम में तैयार बन्दगोभी , फूलगोभी, अदि की रोपाई मेड़ो पर जा सकते है। • गोभीवर्गीय सब्जियों में पत्ती खाने वाले कीटों की निरंतर निगरानी करते रहें यदि सख्यॉ अधिक हो तो बी. टी. @ 1.0 ग्राम प्रति लीटर पानी या स्पेनोसेड दवा @1.0 एम. एल. /3 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

नोडल आफीसर

दिनांकः 24 दिसम्बर 2021